सुविचार

किस्मत अवसर देती है, पर उसे पहचानना और सफलता की सीढ़ी चढ़ना मेहनत पर निर्भर है।

दैनिक भास्कर

आप पढ़ रहे हैं देश का सबसे विश्वसनीय और नंबर 1 अखबार

संसेक्स	82,497.10		-1769.19
डॉलर	83.96		+0.14

तापमान (डिग्री सेल्सियस)

	अधिकतम	न्यूनतम	आज का अनुमान (अधिकतम)
जयपुर	37.4	27.2	37.0
दिल्ली	36.4	23.4	35.0
मुंबई	32.9	26.6	32.0

कुल पेज 24 (बाल भास्कर, ऐच्छिक ₹ 10.00) राजस्थान मूल्य ₹ 4.50 | वर्ष 28, अंक 287, महानगर

dainikbhaskar.com जयपुर, शुक्रवार, 4 अक्टूबर, 2024 आश्विन, शुक्ल पक्ष-2, 2081 12 राज्य | 61 संस्करण

शेखावाटी भास्कर

झुंझुनूं, शुक्रवार, 4 अक्टूबर, 2024 झुंझुनूं • चिड़ावा • पिलानी गुढ़ागौड़जी • बुहाना • सूरजगढ़ dainikbhaskar.com

सीरी में औद्योगिक अनुप्रयोगों के लिए टेराहट्‌र्ज प्रौद्योगिकी पर इंडो-जर्मन कार्यशाला हुई शुरू

जर्मन व भारतीय वैज्ञानिकों और शिक्षाविदों द्वारा दिए जाएंगे तकनीकी व्याख्यान

भास्कर न्यूज | पिलानी

सीरी पिलानी में 3 से 5 अक्टूबर तक औद्योगिक अनुप्रयोगों के लिए टेराहट्‌र्ज प्रौद्योगिकी विषय पर अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला शुरू हुई।

उद्‌घाटन सत्र में बिट्स पिलानी के इमेरिटस प्रोफेसर व सीरी के पूर्व निदेशक प्रो. चंद्रशेखर शर्मा मुख्य अतिथि थे। विशिष्ट अतिथि टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेन्टल रिसर्च के प्रो. श्रीगणेश प्रभु गोयथे यूनिवर्सिटी, फ्रेंकफर्ट, जर्मनी के प्रो. हार्टमुट रॉस्कॉस तथा साकिब शेख उपस्थित थे। भारतीय और जर्मन वैज्ञानिकों के बीच प्रभावी जानकारी के आदान-प्रदान और भविष्य में इस चुनौतीपूर्ण तकनीक के क्षेत्र में

पिलानी. सम्बोधित करते वैज्ञानिक।

संयुक्त रूप से शोध व विकास में सहयोग को मजबूत करने के उद्देश्य से कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। मुख्य अतिथि प्रोफेसर चंद्रशेखर ने टेराहट्‌र्ज टेक्नोलॉजी को इलेक्ट्रोमेग्नेटिक ्स का अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्र बताते हुए स्पेक्ट्रोस्कोपी, चिकित्सा आदि क्षेत्रों में इसकी असीम संभावनाओं पर प्रकाश डाला। विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर श्रीगणेश प्रभु एवं प्रोफेसर हार्टमुट रॉस्कॉस ने कार्यशाला आयोजन पर डॉ. पंचारिया, डॉ. नीरज व उनकी टीम की सराहना की। साकिब शेख ने कहा कि यह भारत व जर्मनी के बीच परस्पर सहयोग का स्वर्ण जयंती वर्ष है। इससे पूर्व डॉ. पीसी पंचारिया ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि इस कार्यशाला से दोनों देशों के बीच प्रगाढ़ वैज्ञानिक सहयोग को बढ़ावा मिलेगा। आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. अनिर्बान बेरा मुख्य वैज्ञानिक ने कार्यशाला के बारे में जानकारी दी। कार्यशाला के भारतीय संयोजक डॉ. नीरज कुमार प्रधान वैज्ञानिक ने कार्यशाला के तकनीकी सत्रों की विस्तृत जानकारी दी।